द्वितीय प्रशासनिक सुधार आयोग - आठवीं रिपोर्ट

आतंकवाद से संघर्ष - न्यायसंगतता द्वारा संरक्षण

(June 2008)

आतंकवाद के वित्त पोषण के विकल्प उपाय :-

आतंकवादी कार्यकलापों मसलन उग्रवादी कार्यवाही को समर्थन करने के इच्छुक समर्पित अनुयायियों की संख्या बढ़ाना, हथियारों, विस्फोटकों की प्राप्ति उनका प्रयोग एवं प्रशिक्षण हेतु पर्याप्त वित्त की आवश्यकता होती है। इनके निधि-करण के विभिन्न स्त्रोत हो सकते हैं। वे हैं -

- ~~आय~~ 'अपराध की आय' की लॉन्डिंग
- मादक द्रव्यों के अवैध व्यापार, तस्करी
- मुद्रा की जालसाजी
- उग्रवादी समर्थकों के द्वारा अपनी ज्ञात आय के ज्ञात स्त्रोतों द्वारा वित्तीयन
- दान का दुरुपयोग
- पूँजी और पण्यवस्तु बाजार में निवेश और व्यापार (विदेशी निवेश सहित)
- धन राशि के लेन-देन के अनौपचारिक माध्यम (हवाला)
- ऑन लाइन भुगतान

GENERAL STUDIES HINDI

* आयोग द्वारा अध्ययन किए गए आतंकवाद रोधी उपायों पर चर्चा :- USA

संयुक्त राज्य अमेरिका में किए गए उपाए

- आतंकवादी वित्त व्यवस्था को आराध निर्धारित करना।
- परिसंपत्तियों को अनुपलब्ध (Freezing) बनाना।

मनी लॉन्ड्रिंग - (काले धन को सफेद बनाना) Converting black money into white money.

UK (यूनाइटेड किंगडम) ने सुदृढ़ मनी-लॉन्ड्रिंग रोधी प्रणाली स्थापित की है। इसमें शामिल है -

① मनी लॉन्ड्रिंग को गैर कानून करार देते हुए कानूनी उपबंध
② उद्योग द्वारा वित्तीय सुरक्षोपाय का अनुप्रयोग

अनधिक - Exceeding

① ⇒ पोका (POCA - The proceeds of Crime act 2002)
अपराध अधिनियम 2002 की

यह अपराधिक क्रियाकलाप से संबद्ध लोगों को सज़ा देने, अपराधिक परिसंपत्तियों से प्राप्त लाभ से वंचित करने के लिए नए कानूनी मार्ग खोलता है।

- POCA (पोका) मनी-लॉन्डिंग के विरुद्ध विश्व के सर्वाधिक शक्तिशाली कानूनी साधनों में से एक है।

② ⇒ उद्योग द्वारा वित्तीय सुरक्षोपाय का अनुप्रयोग

- ग्राहक की पहचान
- रिकॉर्ड रखना
- कार्यविधियाँ और प्रशिक्षण
- उच्च मूल्य वाले डीलरों के पर्यवेक्षण और पंजीकरण

→ सुरक्षोपाय

GENERAL STUDIES HINDI

विभिन्न विनियमन (ऋण संस्थान, वित्त संस्थान, कैसिनो, संपदा एजेंटो (estate agents) को (UK, FIC) यूनाईटेड किंगडम की (Financial intelligence unit को देना।

[FIC - गंभीर संगठित अपराध एजेंसी की एक यूनिट है]

FIC सूचना का विश्लेषण करती है और कानून प्रवर्तन एजेंसी (enforcement agency) को उपलब्ध कराती है।

भारत में मनी-लॉंड्रिंग रोधी उपाय :- PMLA-2002 (Prevention of Money laundering A

मनी लॉंड्रिंग निवारण (संशोधन) अधिनियम 2005 :- ऐसे अपराध जिनका "अपराध की आय" - अपराध में शामिल कुल मूल्य 30 लाख या उससे अधिक हो। अपराध की आय से संबंधित कार्यकलापों "अनुसूचित अपराध" माना गया है। इस अधिनियम की अनुसूची के तहत अपराध की आय को निष्कलंक संपत्ति के रूप में ~~प्रदर्शित~~ प्रदर्शित किया जाना चाहिए।

यूनाइटेड किंगडम की तर्ज पर भारत में भी वित्तीय आसूचना यूनिट (Financial information unit) का गठन किया गया है (FIU-IND)

यह यूनिट (FIU) ~~सात दिनों के भीतर~~ लेन-देन की सूचना (30 lakh या इससे अधिक/मासिक) या ~~से~~ जटिल लेन-देन श्रृंखला संबंधित ~~स~~ सूचना गृह मंत्रालय, रॉ, सेबी, सी.बी.आई, एन.सी.बी (स्वापक नियंत्रण ब्यूरो), SBI, IRDA को देती है।

स्थावर संपदा - Real estate

- ~~आय के स्रोत से~~ "आय के ज्ञात स्रोतों से असंगत संपत्ति"

~~भारत~~ भारत में आतंकवादी वित्त पोषण रोधी उपाय :-

1) आतंकवादी वित्त व्यवस्था को अपराध बनाना :-

1 (क) — टाडा

1 (ख) - पोटा

1 (ग) - यू एल पी ए ए (ULPAA)] - पोटा और ULPAA दोनों ही अधिनियम आतंकवादी की किसी भी आय को रखना निषिद्ध करता है। और ऐसी आय की जब्ती की व्यवस्था करता है।

(किसी भी आतंकवादी ~~संघ~~ संगठन हेतु निधियाँ जुटाना भी इस Act के तहत अपराध है।

(अपराध की आय की जब्ती)

Money laundering

सिफारिशें :- PMLA को उसके सीमाक्षेत्र से अधिक व्यापक बनाया जावे।

- FIC-IND के अधीन वित्तीय लेन-देन की रिपोर्टिंग प्रणाली का स्थावर संपदा (Real estate) जैसे जोखिम वाले क्षेत्रों को शामिल करने के लिए विस्तार किया जाए।
- ~~PMLA के कुछ उपबंधों का प्रत्यायोजन अन्य कार्यालयों किए जाएँ।~~

सिफारिशें :- आतंकवाद से संबद्ध अपराधों की जाँच हेतु बनाई गई एजेंसियों के भीतर ही "समर्पित दल" का गठन जिससे अल्पावधि में कार्य क्षमता में इजाफा किया जा सकता है।

- आतंकवाद पर नया कानूनी ढाँचा जिसमें परिसंपत्तियों, बैंक खातों, जमाराशियों, नकद राशि को अनुपलब्ध (Freeze) बनाने में संबंधित उपबंध शामिल हों।

GENERAL STUDIES HINDI